THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI KUKH RAM): (a) to (d) As per the terms of reference set for it by the Government the Khan Committee was required to make recommendations for making the Deptt. of Telecommunications more connective, efficient and customer friendly through improved performance so as to effectively compete with the private sector. The recommendations of the Committee which are in keeping with its terms of reference are under consideration of the Government. In making recommendations for privatisation of the Deptt. of Telecom the Committee exceeded its brief and as such it is not proposed to consider any recommendations made by the Committee beyond its original terms of *reference*.

Movement of Private Vehicles in Metropolises

191. SHRI M.A. BABY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether any study has been undertakn by Government on the Regulations being enforced in some developed and developing countries to regulate the movement of private vehicles in metropolises during peak hours;

(b) whether Government are aware of the practice followed in some South Eastern States whereby private vehicles whose registration No. end with odd numbers and even numbers are allowed to ply only on the odd and even dates of the month; and

(c) if so, whether Government propose to consider the matter to ply the increasing number of vehicles in the metropolises of the country?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI M. RAJASEKARA MURTHY): (a) to (c) the information is being collected and will be laid on the Table of the Rajya Sabha.

डी०टी०सी० की बसों के मरम्मत कार्य के लिए धनराशियों का आवंटन

192. श्री अनन्तराम जायसवाल: क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने डी०टी०सी० के विभिन्न डिपुओं में खड़ी बसों को फिर से सड़कों पर चलाने के लिए दिल्ली परिवहन निगम को कोई धनराशि प्रदान की है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है जिसके लिए यह धनराशि प्रदान की गई थी;

(ग) क्या उस पूरी राशि का उपयोग कर लिया गया था, यदि हां तो उस धनराशि से ठीक कराई गई कितनी बसों को सड़कों पर चलाया गया; और

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार ने इस मामले की जांच कराके कोई कार्यवाही की है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम० राजशेखर मूर्ति): (क) से (ग) सरकार ने जुलाई, 1995 में दि०प०नि० की बसों की मरम्मत के लिए 10 करोड़ रुपये दिए थे। यह राशि बसों की मरम्मत हेतु उपयोग की गई थी तथा 1000 बसों को मरम्मत करके प्रचालन योग्य बनाया गया था।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Telephone Connection to the Panchayat Headquarters in Uttar Pradesh

193. SHRI RAM NATH KOVIND: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the total number of Panchayat headquarters in Uttar Pradesh at present linked with telephone facility with details of amount spent for this purpose during the last two years; and

(b) the number of the Panchayats likely to be linked with telephone facility in the current financial year;

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) As on 20-2-1996, the total number of Panchayat headquarters in the Uttar Pradesh linked with telephone facility is 23181.

Details of amount spent during last two financial years are given under:—

Sl. No.	year	Amount spent
1.	1993-94	Rs. 44.05 crores
2.	1994-95	Rs. 63.60 crores

(d) The number of Panchayats likely to be linked with telephone facility during the current financial year is 3600.

सिंहों का गिर क्षेत्र से तटवर्ती क्षेत्रों की ओर पयालयन

194. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि सौराष्ट्र के गिर क्षेत्र के सिंह अपने प्राकृतिक वास को छोड़कर तटवर्ती क्षेत्रों में जा रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) गिर क्षेत्र से सिंहों का पलायन रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायटल): (क) और (ख) जी, हां। शेर जैसे भू-भागीय प्रजातियों की आबादी में वृद्धि हो जाने और परिधीय क्षेत्रों में वासस्थलों की दशा में सुधार हो जाने के कारण इनका बिखर जाना एक प्राकृतिक घटना है।

(ग) शेरों को उन नए प्राकृतिक वासस्थलों में जाने से रोकने का कोई इरादा नहीं है जो जीवनक्षम हैं। गिर के बाहर के क्षेत्रों में रहने वाले शेरों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जा रही है और उनके आवागमन पर वन और वन्यजीव कर्मचारियों द्वारा निगरानी रखी जा रही है। इन भ्रमणशील शेरों के बारे में स्थानीय लोगों में जागरूकता भी पैदा की जा रही है। एशियाई शेरों का एक दूसरा घर स्थापित करने के लिए कुछ शेरों को मध्य प्रदेश में कुनो-पालपुर अभयारण्य में ले जाने के लिए भी कदम उठाए गए हैं।

Import of Naphtha/NGL

195. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Naphtha NGL is surplus and the same is being exported;

(b) whether it is a fact that some private sectors are importing Naphtha/NGL at a higher rate than the rate at which the export is made by Government; and

(c) if so, what concrete steps Government propose to take to stop import of Naphtha/NGL by private sectors and to ensure the availability of same in the country to avoid loss of foreign exchange?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAPT. SATISH SHARMA): (a) to (c) Production of Naphtha/NGL is surplus to the requirement and has to be exported. However, Naphtha imports have been decanalised by the Government under the libseralised policy to facilitate integration of India with the global market. The data on prices at which Naphtha is being imported by private parties is not maintained by the Ministry.

वन क्षेत्र में कमी आना

196. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश में वन-क्षेत्र में अब तंक आयी कमी का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई राज्य-वार सर्वेक्षण करवाया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और